MP BOARD CLASS 10 HINDI SPECIAL SOLUTION-2018

म. प्र. बोर्ड कक्षा 10 हिन्दी विशिष्ट प्रश्नपत्र उत्तर सहित -2018

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 100**

प्र1 निम्नलिखित कथनों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

1. जायसी किस काव्यधारा के कवि हैं?

(अ) रामभक्ति मार्गी (ब) कृष्णभक्ति मार्गी

(स) ज्ञान मार्गी (द) प्रेम मार्गी

उत्तरः (द) प्रेम मार्गी

2. 'षड-ऋतु-वर्णन में प्रसिद्ध' कवि का नाम है।

(अ) गिरिधर (ब) रहीम (स) पद्माकर (द) नागार्जुन

उत्तर: (स) पद्माकर

3. ईश्वर पर विश्वास करने वाले को कहा जाता है

(अ) ईश्वरीय (ब) सेवक (स) आस्तिक (द) नास्तिक

उत्तर: (स) आस्तिक

4.'पहली चूक' किस विधा में लिखी गई रचना है?

(अ) कहानी (ब) एकांकी (स) निबन्ध (द) व्यंग्य निबन्ध

उत्तर: (द) व्यंग्य निबंध

5. प्रयोगवाद का जनक कहा जाता है।

(अ) नरेश मेहता (ब) त्रिलोचन (स) अज्ञेय (द) भवानीप्रसाद मिश्र

उत्तर: (स) अज्ञेय

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (1×5=5)

(1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के जन्मदाता .....हैं।

(आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी/भारतेन्दु हरिशचन्द्र)

उत्तर: (भारतेन्दु हरिशचन्द्र)

(2) दोहा और रोला छंद मिलकर ..... छंद बनता है।

(छप्पय/बुण्डलिया)

उत्तर: (कुण्डलिया)

(3) रीतिसिद्ध परम्परा के कवि .....हैं।

(बिहारी/केशवदास)

उत्तर: (केशवदास)

(4) कहानी सम्राट .....को कहा जाता है।

(मुंशी प्रेमचंद/जयशंकर प्रसाद)

उत्तर: (मुंशी प्रेमचंद)

(5) साक्षात्कार गद्य की .....विद्या है।

(प्रमुख/गौण)

उत्तर: (गौण)

प्र.3 सत्य/असत्य लिखिए: (1×5=5)

(1) "विनयपत्रिका" तुलसीदास की रचना है।

उत्तर: (1) सत्य

(2) 'निराला' शब्द में व्यंजन संधि है।

उत्तर: (2) सत्य

(3) वीररस का स्थायी भाव उत्साह है।

उत्तर: (3) सत्य

(4) शल्य चिकित्सा के जनक सुश्रुत हैं।

उत्तर: (4) सत्य

(5) शिबु मोहन का लड़का है।

उत्तर: (5) सत्य

प्र.4 सही जोड़ी बनाइए: (1×5=5)

(1) रामचरित मानस (क) रामवृक्ष बेनीपुरी

(2) गेहूँ और गुलाब (ख) द्विगु समास

(3) दोपहर (ग) खण्डकाव्य

(4) बेटियाँ पावन दुआएँ है (घ) मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल

(5) भगिनी निवेदिता (ड.) सेठ गोविन्ददास

(च) महाकाव्य

(छ) अजहर हाशमी

उत्तर: (1) रामचरित मानस - (च) महाकाव्य

(2) गेहूँ और गुलाब - (क) रामवृक्ष बेनीपुरी

(3) दोपहर - (ख) द्विगु समास

(4) बेटियाँ पावन दुआएँ है - (छ) अजहर हाशमी

(5) भगिनी निवेदिता - (घ) मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल

प्र.5 एक वाक्य में उत्तर लिखिएः (1×5=5)

(1) 'थके हुए कलाकार से' के कृतिकार का नाम लिखिए।

उत्तर: धर्मवीर भारती

(2) लोक संस्कृति का जन्म कहाँ हुआ?

उत्तर: गाँव में

(3) स्थायी भावों के उत्पन्न होने के कारणों को क्या कहते हैं?

उत्तर: विभाव

(4) गुण कब लाख रुपयें में बिकता है?

उत्तर: गुण जब लाख रुपए में बिकता है। जब उसको पूछने वाले हो।

(5) जगन्नाथ का संधि विच्छेद लिखिए।

उत्तर: जगत + नाथ = जगन्नाथ

प्र.6 'स्तुति खण्ड' में जायसी ने कितने द्विपों और भुवनों की चर्चा की है? (2)

उत्तर: स्तुति खण्ड में जायसी ने सात द्विपों और चौदह भुवनों की चर्चा की है।

अथवा

अवगुणों पर ध्यान न देने के लिए सूरदास ने किस से प्रार्थना की है?

उत्तर: अवगुणों पर ध्यान न देने के लिए सूरदास ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना की है।

प्र.7 बच्चे की आँखों की तुलना किस से की गई है? (2)

उत्तर: बच्चे की आँखों की तुलना तितली के पंखों से की गई है।

अथवा

श्रद्धा का गायन स्वर किस तरह का है?

उत्तर: श्रद्धा का गायन स्वर मधुकरी (भ्रामरी) जैसा है।

प्र.8 कवि ने हिमालय की झीलों में किसको तैरते हुए देखा है? (2)

उत्तर: कवि ने हिमालय की झीलों में कमल नाल को खोजने वाले तैरते हंसों को देखा है।

अथवा

कवि चट्टानों की छाती से क्या निकालने को कह रहा है?

उत्तर: कवि चट्टानों की छाती से दूध निकालने को कह रहा है।

प्र.9 जीवन को सफल बनाने के लिए कवि क्या निर्देश देते हैं? (2)

उत्तर: जीवन को सफल बनाने के लिए कवि ने मनुष्यों को अपने-अपने उद्देश्य में लगे रहने का निर्देश दिया है।

अथवा

नदियाँ आगे चलकर किस रूप में परिवर्तित हो जाती हैं?

उत्तर: नदियाँ आगे चलकर समुद्र में परिवर्तित हो जाती है।

प्र.10 कवि के अनुसार काँटे की मर्यादा क्या है? (2)

उत्तर: कवि के अनुसार काँटे की मर्यादा है उसका कठोर होना तथा तीखा होना।

अथवा

कवि नियति से क्या प्रश्न करते हैं?

उत्तर: कवि नियति से एक प्रश्न करता है कि तुमने खाली पेट वालो को घुटने क्यों दिए।

प्र.11 बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को कौन सा उपहार दिया?(2)

उत्तर: बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति कमाल पाशा को मिट्टी की छोटी हँडिया मंे अपने हाथ से तोड़ा गया पाव भर शहद दिया था।

अथवा

कृष्ण ने शिशुपाल का वध करके महिष्पति की गद्दी पर किसे बैठाया?

उत्तर: कृष्ण ने शिशुपाल का वध कर महिष्पति की गद्दी पर उसके पुत्र धृष्टकेतु को बैठाया।

प्र.12 दो शताब्दी पूर्व किस प्रकार के नाटकों की रचना अनुचित जान पड़ती थी?(2)

उत्तर: दो शताब्दी पूर्व दूःखान्त नाटकों की रचना अनुचित जान पड़ती थी। यवन साहित्य में दुखान्त नाटकों की बड़ी प्रसिद्धि थी।

अथवा

पृथ्वी पर मानव अपने साथ क्या लेकर आया है?

उत्तर: पृथ्वी पर मानव अपने साथ भूख और प्यास लेकर आया है।

प्र.13 लेखक ने संगीत का जन्म किस से माना है? ()

उत्तर: लेखक ने संगीत का जन्म श्रम से माना है।

अथवा

महाराणा लाखा वीर सिंह के किस गुण से प्रसन्न हुए है?

उत्तर: महाराणा लाखा वीर सिंह की वीरता के गुण से प्रसन्न हुए।

प्र.14 सोन और नर्मदा का जल प्रवाह किन-किन दिशाओं में हैं?(2)

उत्तर: सोन और नर्मदा का जल प्रवाह पश्चिम दिशा में है।

अथवा

यक्ष के, संसार के सबसे बड़े आश्चर्य सम्बंधी प्रश्न पर युधिष्ठिर ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर: यक्ष के संसार के सबसे बड़े आश्चर्य सम्बंधी प्रश्न का युधिष्ठर ने यह उत्तर दिया कि हर रोज आँखों के सामने कितने ही प्राणियों को मृत्यु के मुँह में जाते हुए देखकर भी बचे हुए प्राणी, जो यह चाहते है कि हम अमर रहें, यह महान आश्चर्य की बात है।

प्र.15 निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: (2)

(1) वह आस्तिक है। (निषेधवाचक)

(2) अशोक रामनगर में रहता है। (विस्मयादिवाचक)

उत्तर: (1) वह नास्तिक नहीं है। (2) ओ! अशोक क्या रामनगर में रहता है।

अथवा

निम्न वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

(1) उपासना करने वाला।

(2) पूजा करने वाला।

उत्तर: (1) उपासक (2) पूजारी

प्र.16 हरिगीतिका छंद की परिभाषा लिखिए। (2)

उत्तर: हरिगीतिका छंद- इसमें कुल 28 मात्राएं होती है। तथा 16 एवं 12 पर यति होती है। अन्त में लघु गुरू होता है।

अथवा

वात्सल्य रस की परिभाषा लिखिए।

उत्तर: वात्सल्य रस- सहृदय के हृदय में स्थित वत्सल नामक स्थायी भाव का जब विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से संयोग हो जाता है तब वहां वात्सल्य रस होता है।

प्र.17 स्त्री शिक्षा पर निवेदिता के विचार स्पष्ट कीजिए। (3)

उत्तर: अपने विद्यालय के लिए धन संग्रह करने वे इंग्लैण्ड के उपरान्त अमेरिका गई। यहां उन्होंने देखा कि तथाकथित लोगों द्वारा भारत की झूठी व घृणित तस्वीर प्रस्तुत की जा रही थी-

विशेषकर भारतीय महिलाओं की दुरावस्था पर उन्होंनें तुरन्त इसका प्रतिकार आरंभ किया और न्यूर्याक, शिकागो, जैक्शन, डिट्रायड, बास्टन आदि अनेक स्थानों पर भारतीय नारी का सही चित्र रखा। वे भारतीय महिलाओं का सरल स्वभाव, हृदय की पवित्रता उनकी निष्ठा और सच्चाई के बारे में लोगों को विश्वास के साथ बताती। वे अपने इस अभियान में सफल रही और भारतीय महिलाओं के बारे में लोगों का दृष्टिकोण बदला।

अथवा

माता की कुक्षि कब धन्यता प्राप्त करती है?

उत्तर: माता की कुक्षि तब धान्यता को प्राप्त करती है जब उसका पुत्र परोपकार में लगता है। और अज्ञान रूपी अंधकार को अपने ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करता है। दीपक को अपने प्रकाश द्वारा धरती को प्रकाशित करते हुए देखकर पृथ्वी ने अपने को धन्य माना।

प्र.18 अन्योक्ति अलंकार को परिभाषा एवं एक उदाहरण भी लिखिए। (3)

उत्तर: अन्योक्ति अलंका- जहाँ अप्रस्तुत कथन के द्वारा प्रस्तुत अर्थ का बोध कराया जाए वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।

जैसे- "माली आवत देखकर, कलियन करी पुकार।
फूले-फूले चूनि लिए कालि हमारी बार।।

अथवा

पाठ्य मुक्तक एवं गेय मुक्तक में अन्तर लिखिए/कोई तीन।

उत्तर: पाठ्य मुक्तक और गेय मुक्तक में अंतर निम्न है।

पाठ्य मुक्तक	-	गेय मुक्तक
1. पाठ्यमुक्तक पढ़े जाते है।	-	ये गाये जाते है।
2. एक ही भाव की गहनता होती है	-	संगीतात्मकता होती है।
3. इसके कवि, विहारी, कबीर, रहीम है।	-	इसके कवि, सुरदास, तुलसीदास, मीरा बाई है।

प्र.19 संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम भी लिखिए: (3)

(1) परमानन्द (2) निर्गुण (3) जगदीश

उत्तर:

	शब्द -	संधि विच्छेद-	संधि का नाम
1.	परमानंद -	परम + आनंद	- दीर्घ संधि
2.	निर्गुण-	नि: + गुण	- स्वर संधि
3.	जगदीश -	जगत + ईश-	गुण संधि

अथवा

समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए:

(1) प्रतिदिन (2) देशभक्ति (3) लम्बोदर

उत्तर:

	शब्द -	समास विग्रह-	समास का नाम
1.	प्रतिदिन -	दिन-दिन	- अव्ययी भाव
2.	देशभक्ति -	देश का भक्त	- कर्मधारय
3.	लम्बोदर -	लम्बे उदर वाला	- बहुब्रीहि समास

प्र.20 प्रगतिवाद की चार विशेषताएँ लिखिए। (4)

उत्तर: (1) सम्यवादी विचारधारा से प्रेरित प्रगतिवादी काव्य में सामाजिक समता का उद्घोष हुआ है।

(2) दीन-हीन एवं किसानों के प्रति सहानुभूति का भाव ।

(3) अशिक्षा, शोषण, नारी, संमास आदि के प्रति जागरुकता का संदेश।

(4) शोषकों के प्रति घृणा तथा शोषियो के प्रति संवेदनशीलता।

अथवा

भारतेन्दु युगीन काव्य की चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: (1) समाज में फैली कुरीतियों, आडम्बरों, अंग्रेजों के अत्याचारों आदि का चित्रण कर जन-जागरण करना।

(2) भारत के प्राचीन गौरव तथा नवीन आवश्यकतों का चित्रण।

(3) देश-प्रेम तथा राष्ट्रीयता का उद्घोष।

(4) प्रेम सौंदर्य और प्रकृति के विविध रूपों का अंकन, सरल एवं सुवोध भाषा में भावों की सहज अभिव्यक्ति।

प्र.21 जीवनी को परिभाषित करते हुए किन्ही दो जीवनी लेखकों एवं उनकी एक-एक जीवनी का नाम लिखिए। (4)

उत्तर: जीवनी की परिभाषा - जीवनी गद्य की वह विधा है। जिसमें लेखक किसी अन्य के जीवन वृतान्त को प्रस्तुत करता है।

जीवनी - लेखक का नाम

(1) महाराण प्रताप - राम वृक्ष वेनीपूरी

(2) सुखदास - प्रेमचन्द

अथवा

पत्र-साहित्य किसे कहते हैं? किन्ही दो पत्र-साहित्यकार एवं उनकी एक-एक कृति का नाम लिखिए।

उत्तर: पत्र साहित्य - कोई महान व्यक्ति साहित्यकार, कलाकार विचारक जब पत्र लिखते है। तो उसमे जीवन की सच्चाई प्रकट होती है। उसका मानव जीवन में महत्व होता है। इस तरह के पत्र पत्र-साहित्य कहलाते है। इन पत्रों को संकलित करके प्रकाशित किया जाता है।

साहित्यकार- (1) हरिवंशराय वच्चन (2) रामधारी सिंह दिनकर

प्र.22 नागार्जुन अथवा सुभद्रा कुमारी चौहान का साहित्यिक परिचय निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर लिखिएः (4)

(1) दो रचनाएँ (2) काव्यगत विशेषताएं (भावपक्ष + कलापक्ष) (3) साहित्य में स्थान

उत्तर: जीवन परिचय- सुभद्रा कुमारी चौहान

(1) दो रचनाएँ: 'मुकुल' और 'चित्रधारा'

(2) काव्यगत विशेषताएँ:

(1) भावपक्ष:- सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं में वीर रस और देश भक्ति का निष्पादन हुआ है इनकी कविताओं में उत्साह और ओज प्रकट होता है तथा इनके काव्य में राष्ट्रीय चेतना देश प्रेम व बलिदान की भावना निहित होती है। इन्होंने अपनी कविता में मुक्त अनुभूतियों का सहजता से प्रयोग किया इनकी कविताओं में नारी सुलभ मातभाव की अनुभूति की परिलसित होती है।

(2) कला पथ:- इनकी भाषा सरल हिन्दी खड़ी बोली है। ये अपनी सहज सरल और सामान्य बोलचाल की भाषा में जटिल से जटिल भावों को बड़ी आसानी से व्यक्त करने की सामर्थ्य रखती है। इनकी शैली ओजपूर्ण तथा सुकुमार है। घृति गीत और लोक गीतों का गायन शैली में प्रस्तुत किया है इनकी शैली में कल्पना की उड़ान नहीं हैं।

साहित्य में स्थान:- सुभद्रा कुमारी चौहान ने अपने काव्य में जिस वीर नारी को प्रदर्शित किया है वह अपने आप में नारी जगत के लिए आदर्श है। अपनी ओजस्वी वाणी के लिए सुभद्रा जी हमेशा अमर रहेगी। जन-जन में देश प्रेम और स्वाभिमान की भावना जगाने वाले कवियों में इनका प्रमुख स्थान है।

प्र.23 डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल अथवा रामनारायण उपाध्याय का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए: (4)

(1) दो रचनाएँ (2) भाषा-शैली (3) साहित्य में स्थान

उत्तर: जीवन परिचय - डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(1) दो रचनाएँ - ''कल्पवृक्ष'' पाणिनि कालीन भारत वर्ष।

(2) भाषा शैली - इनकी निबंध शैली में पाण्डित्य और बौद्धिकता की प्रधानता है तथा भावात्मकता का कोमल पुट है। इनकी शैली की निम्न रूप मिलते है।

(1) विचारत्मक शैली: - इनके निबंधों में विचारात्मक शैली की प्रधानता है। इस शैली में तर्क, युक्ति तथा व्यवहारिकता का समावेश हुआ है।

(2) गवेषणात्मक:- उन्होंने अनेक प्राचीन ग्रन्थों, घटनाओं पात्रों आदि में अनुसंधान से संबंधित निबंधों में गवेषणात्मक शैली का प्रयोग किया है।

(3) उद्धरण शैली:- इसमें अपनी बात को पुष्ट करने के लिए संस्कृत के कथनों, श्लोकों आदि के उद्धरण स्थान-स्थान पर देते है।

(4) सुत्रात्मक शैली:- डॉ. अग्रवाल ने अपने निबंधों में जीवन सत्यों का उद्‌घाटन बड़े अनूठे ढंग से किया है।

(5) भावात्मक शैली:- अग्रवाल जी ने अपने भावपूर्ण निबंधों में इस शैली का प्रयोग किया है। इनकी भावात्मक शैली का रूप काव्यात्मक हो जाता है।

साहित्य में स्थान: - डॉ. अग्रवाल हिन्दी के प्रतिभाशाली और विचारशील निबंधकार है उनके विचारात्मक निबंधों का हिन्दी के निबंध साहित्य में विशिष्ट स्थान है उनकी भाषा शैली में पाण्डित्य के साथ लालित्य का अद्भुत समन्वय है।

प्र.24 निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या सन्दर्भ प्रसंग सहित लिखिए: (4)

बैर फूट ही सों भयो सब भारत को नास।
तबहुँ न छँड़त याहि सब बँधे मोह के फाँस।।

उत्तर: बैर फूट .....मोह के फाँस।

(1) संदर्भ:- प्रस्तुत पद्य भारतेन्दु हरिशचन्द्र द्वारा रचित नीति अष्टक शीर्षक से लिया गया है।

(2) प्रसंग:- इस छन्द में कवि ने भारतवासियों से आपसी बैर तथा फूट को छोड़ने का उपदेश दिया है।

(3) व्याख्या:- कविवर भारतेन्दु की कहते है कि इस देश भारत का पूरी तरह से नाश आपसी बैर एवं फूट के कारण ही हुआ है। यह सच्चाई मानते हुए भी आज भी भारतवासी लोग मोह के फंदे में ऐसे बंधे हुए है कि इस बुरी भावना का त्याग नहीं करते है।

(4) विशेष: (1) कवि ने बैर फूट आदि बुराईयों को दूर कर आपसी मेल-मिलाप की बात की है।

(2) दोहा- छन्द।

अथवा

बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बंधन सजीले?
पंथ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीलें?
विश्व का क्रन्दन भुला देगी मधुप की मधुर गुनगुन,
क्या डुबो देंगे तुझे यह फूल के दल ओस-गीले?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना।
जाग तुझको दूर जाना।

उत्तर: बाँध लगे .....कारा बनाना।

(1) संदर्भ:- प्रस्तुत छन्द 'चिर सजग आँखे आज कैसा व्यस्त बाना' शीर्षक कविता से लिया गया है। इसकी रचयिता श्रीमति महादेवी वर्मा है।

(2) प्रसंग:- कवियत्रि मानव को सचेत करते हुए कह रही है। कि हे संसार के पथिक! तेरी सदैव सजग रहने वाली आँखे आज अलसाई हुई सी क्यों हो रही है, तुझे तो अभी बहुत दूर तक जाना है।

(3) व्याख्या:- कवियत्रि महादेवी वर्मा कहती है कि मानव! क्या ये मोन के गीले बंधन तुझे अपने जाल में बाँध लेंगे? क्या रंग-विरंगी तितलियों के पंख तुम्हारे मार्ग की रुकावट बनेंगे? क्या भौंरो की मधुर गुनगुनाहट संसार के दुखों को भुला देगी या ओस से गीले फूल की पंखुड़ियां तुझे डूबो देगी? तु व्यर्थ में ही अपनी परछाई को अपना जेलखाना बना रहा है। इन निराशा की भावनाओं को छोर तेरा जो लक्ष्य है उसे पाने के लिए तू सतत् प्रयत्न कर तुझे अभी बहुत दूर तक जाना है।

प्र.25 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए: (4)

इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जिसके हृदय में दया हो और साथ-साथ आत्मबल। हृदय वह जो उदार हो, आत्मबल वह जो आपत्ति का वीरता के साथ सामना

करे और इस रियासत के सौभाग्य से हमें ऐसा पुरुष मिल गया। ऐसे गुण वाले संसार में कम हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए हैं, उन तक हमारी पहुँच नहीं है।

उत्तर: इस पद के लिए .....पहुँच नहीं है।

(1) संदर्भ:- प्रस्तुत गद्यांश 'परीक्षा' नामक कहानी से लिया गया है। इसके लेखक श्री प्रेमचंद है।

(2) प्रसंग:- देवगढ के नए दीवान की खोज में नया दीवान मिल जाता है उसी का वर्णन है।

(3) व्याख्या:- सरदार सुजान सिंह के स्थान पर जिस व्यक्ति का चयन हुआ उसकी घोषणा करते हुए सुजान सिंह ने कहा इस पद के लिए हमे ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जिसका हृदय में दया हो और साथ ही साथ आत्मबल।

उसका हृदय उदार होना चाहिए, उसमे इतना आत्मबल हो जो किसी भी आपत्ति का वीरता के साथ सामना कर सके। इस देवगढ़ रियासत का यह सौभाग्य है कि उसे ऐ योग्य व्यक्ति मिल गया। ऐसे गुण वाले ंसंसार में कम ही होते है। और जो थोड़े से है भी वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए है, उन तक हमारी पहुंच नहीं है।

(4) विशेष: देवगढ़ के दीवान पद की खोज में एक आत्मविश्वासी एवं कर्मठ व्यक्ति की प्राप्ति हो गयी।

अथवा

आधुनिकता सम्प्रदाय का विरोध करती हैं, क्यों कि आधुनिकता गतिशील प्रक्रिया है। 'सम्प्रदाय' स्थिति-संरक्षक। परन्तु परम्परा से आधुनिकता का वैसा विरोध नहीं होता। दोनों की गतिशील प्रक्रियाएँ है। दोनों में अन्तर केवल यह है कि परम्परा यात्रा के बीच पड़ा हुआ अन्तिम चरण है, जब कि आधुनिकता आगे बढ़ा हुआ गतिशील कदम है।

प्र.26 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।(5)

कई लोग समझते हैं कि अनुशासन और स्वतंत्रता में विरोध है, किन्तु वास्तव में यह भ्रम है। अनुशासन के द्वारा स्वतंत्रता छिन नहीं जाती, बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा होती है। सड़क पर चलने के लिए हम स्वतंत्र हैं। हमें बायीं तरफ से चलना चाहिए, किन्तु चाहें तो हम बीच में भी चल सकते हैं। इससे हम अपने ही प्राण संकट में डालते हैं, दूसरों की स्वतंत्रता भी हम छीनते हैं। विद्यार्थी भारत के भावी निर्माता हैं। उन्हें अनुशासन के गणों का अभ्यास अभी से करना चाहिए जिससे वे भारत के सच्चे सपूत कहला सकें।

प्रश्नः

(1) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(2) गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर (1) इस गद्यांश का उचित शीर्षक "अनुशासन और स्वतंत्रता" है।

(2) इस गद्यांन में अनुशासन और स्वतंत्रता के भेद को स्पष्ट किया है। बताया गया है कि अनुशासन से स्वतंत्रता नहीं छिनती बल्कि हमारे अनुशासन में रहने पर दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा होती है। उदाहरण के लिए सड़क पर चलना हमारी स्वतंत्रता है, लेकिन सड़क पर बाँयी ओर चलना हमारा अनुशासन इससे हमारी स्वतंत्रता नहीं छिनती यदि हम सड़क पर बीचो-बीच चलेंगे तो हमारी जान को खतरा तो है लेकिन हम दूसरो की स्वतंत्रता को छीनता है। यह अनुशासन नहीं है।

हमें विद्यार्थियों में अनुशासन के गुण अभी से डालना होगा ताकि आगे चलकर ये अनुशासन की महत्ता को समझे व अपनी स्वतंत्रता का गलत फायदा न उठाए और अच्छे नागरिक बने।

प्र.27 अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें अपनी शैक्षिक प्रगति और लक्ष्य का उल्लेख किया गया हो। (5)

उत्तर: सेवा में,

श्रीमान प्राचार्य महोदय
शासकीय उ.मा. विद्यालय
तात्या टोपे नगर, भोपाल।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैंने आपके विद्यालय से नियमित छात्र के रूप में कक्षा 10वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।

अब मेरे पिताजी का स्थानान्तरण सागर हो गया है। अतः मुझे 11वीं कक्षा में सागर में प्रवेश लेना होगा।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे स्थानांतरण प्रमाण पत्र देने की कृपा करे। ताकि मैं सागर में अन्य विद्यालय में प्रवेश ले सकूँ।

आपका आज्ञाकारी
राम.....
कक्षा 10वीं

दिनांक: .....

अथवा

अपने प्राचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए जिसमें स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की माँग की गई हो।

उत्तर:

105, गांधी आश्रम
शिवपुरी
दिनांक .....

आदरणीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श!

मैं यहां पर सकुशल हूँ आशा है आप भी पूरी तरह कुशल होगे। मेरी परीक्षा निकट आ रही है, मैं समय से अध्ययन में जुट गया था अतः सभी विषयों की तैयारी अच्छी तरह हो गयी है। थोड़ी सी कठिनाई विज्ञान की तैयारी में हुयी थी किन्तु मैंने पुस्तकालय से पुस्तक लेकर अपना कार्य पूर्ण कर लिया है। अब मुझे विशेष चिन्ता नहीं है। विश्वास है विगत वर्षो की तरह प्रथम श्रेणी के अंक प्राप्त करने में सफल रहूँगा।

पूज्य पिताजी व माताजी को चरण स्पर्श व छोटो को प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
चिन्मय

प्र.28 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। (7+3=10)

(अ) (1) विज्ञान की देन

(2) नारी शिक्षा का महत्व

(3) खेल का मानव जीवन में महत्व

(4) विद्यार्थी जीवन

(5) जनसंख्या वृद्धि

उत्तर: विज्ञान की देन :

रूपरेखा - (1) प्रस्तावना- विज्ञान से अभिप्राय

(2) विज्ञान की व्यापकता

(3) विज्ञान के अनेक उपयोग

(4) यातायात

(5) व्यवसाय
(6) मनोरंजन
(7) चिकित्सा
(8) विज्ञान का विनाशकारी रूप
(9) उपसंहार- विज्ञान के सदुपयोग की आवश्यकता

खेल का मानव जीवन में महत्व :

रूपरेखा - (1) प्रस्तावना
(2) खेल की तैयारी
(3) खेल का प्रारंभ
(4) खेल के विविध दृश्य
(5) खेल का समापन
(6) पुरूस्कार वितरण
(7) उपसंहार

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए।
(1) वृक्षा रोपण
(2) समग्र स्वच्छता अभियान
(3) भारतीय समाज में नारी
(4) राष्ट्रीयता

उत्तर: वृक्षारोपण :

रूपरेखा - (1) प्रस्तावना
(2) भारतीय संस्कृति और वृक्ष
(3) वनों के लाभ
(4) वृक्षों के कटने से हानियां
(5) वृक्षारोपण कार्यक्रम
(6) उपसंहार

भारतीय समाज में नारी :

रूपरेखा - (1) प्रस्तावना
(2) प्राचीन भारत में नारी
(3) मध्यकाल में नारी की स्थिति
(4) आधुनिक नारी
(5) उपसंहार

****